अ नु क्र म णि का

पृष्ठांक

अध्याय 1 : नागार्जुन : जीवनवृत्त, व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1 - 46

1· उद्घोष
2· जीवनवृत्त
जन्म तथा बचपन
माता-पिता
शिक्षा
विवाह तथा ग्राहस्थ जीवन
घुमक्कड़वृत्ति
समाजसेवा
घर-वापसी
साहित्यसेवा
3· व्यक्तित्त्व
बाह्यपक्ष
आंतरिक पक्ष
4· कृतित्त्व
नागार्जुन की कविता
5· काव्यकृतियाँ
1· रागबोध की कविताएँ
प्राकृतिक सौंदर्य की कविताएँ
प्रणय भाव की कविताएँ
लौटती (नास्टैल्जिक) कविताएँ
2· यथार्थपरक कविताएँ
सामाजिक यथार्थ
आर्थिक स्थितियों का यथार्थ

3· राष्ट्रीयता के भाव की कविताएँ

4· व्यंग्य कविताएँ

6· निष्कर्ष

7· संक्षेप में नागार्जुन का समग्र साहित्य

अध्याय 2 : **प्रबंध काव्य का स्वरूप एवं भूमिजा** 47 - 81

प्रबंध काव्य का स्वरूप
महाप्रबंध या महाकाव्य
खंडप्रबंध या खंडकाव्य
खंडकाव्य के लक्षण
खंडकाव्य की सैध्दान्तिक विशेषताएँ
भूमिजा का प्रबंध काव्य
कथावस्तु
चरित्रचित्रण
देश-काल-वातावरण एवं प्रकृति चित्रण
उद्देश्य

अध्याय 3 : **"भूमिजा" का कथ्य** 82 - 97

प्राक्कथन
प्रसंग 1
प्रसंग 2
प्रसंग 3

अध्याय 4 : **"भूमिजा" में पात्र-योजना** 98 - 118

सीता
राम
अहल्या
लक्ष्मण
कुश और लव
वाल्मीकि
विश्वामित्र
गौतम
त्रिजटा
धन्वन्तरि
भागीरथ
सगर

अध्याय 5 : "भूमिजा" में शिल्पविधान 119 - 152

1· भाषा
- लाघवता
- माधुर्य और प्रसाद गुण
- भावानुकूल भाषा

2· छंद योजना

3· अलंकार योजना

4· मुहावरें और लोकोक्ति का प्रयोग

5· शैली के रूप
- अलंकारिक शैली
- चित्रात्मक शैली
- वक्तात्मक शैली
- परिचयात्मक शैली

6· प्रतीक विधान

7· बिम्ब विधान
- ऐंद्रिय बिम्ब
- दृश्य बिम्ब
- वस्तुपरक बिम्ब
- राजनीतिक बिम्ब
- सांस्कृतिक बिम्ब
- सामाजिक बिम्ब
- प्राकृतिक

8· जनभाषा का प्रयोग

9· सर्ग योजना

उपसंहार

अध्याय 6 : "भूमिजा" का मूल्यांकन 153 - 164

1· व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व की दृष्टिसे

2· प्रबंधकाव्य की दृष्टि से

3· "भूमिजा" का कथासुत्र

4· चरित्र की दृष्टि से
5· "भूमिजा" शीर्षक की सार्थकता
6· काव्य-शिल्प की दृष्टि से

xxx **समापन** 165 - 167

xxx **संदर्भ गंथ सूची** 168 - 170